ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 08 अप्रेल 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 37

बांसवाड़ा में अब मालवीया 'राम' और 'सीता' के भरोसे

बांसवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी डामोर 6 साल के लिए निष्कासित, हाथ के पंजे पर ही लड़ेंगे चुनाव, बीएपी से गठबंधन के बावजूद नाम वापस नहीं लिया

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। राजस्थान की बांसवाड़ा लोकसभा सीट पर सियासत ने नाटकीय रूप ले लिया और बडा खेला हो गया। कांग्रेस ने इस सीट से अपने उम्मीदवार अरविंद डामोर को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है, क्योंकि उन्होंने कांग्रेस और भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) के बीच गठबंधन होने के ऐलान के बाद नाम वापस नहीं लिया। निष्कासन के बावजूद अरविंद सीता डामोर कांग्रेस के ही उम्मीदवार रहेंगे, क्योंकि निष्कासन से पहले ही पार्टी डामोर को चुनाव चिह्न दे चुकी थी। पहले यहां से कांग्रेस और भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) के उम्मीदवारों ने नामांकन फॉर्म भरे। सोमवार को कांग्रेस ने बीएपी से गठबंधन का ऐलान कर दिया, लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार अरविंद डामोर अचानक गायब हो गए और उनसे किसी का संपर्क नहीं हो पाया। इस घटनाक्रम के बाद अब बांसवाड़ा सीट पर कांग्रेस भले ही अपने उम्मीदवार का प्रचार न करे, लेकिन उसका प्रत्याशी मैदान में रहेगा। इस वजह से इस सीट पर भाजपा के महेंद्रजीत सिंह मालवीया, बीएपी के राजकुमार रोत और कांग्रेस के अरविंद डामोर के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा। कांग्रेस ने इस सीट पर नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन अर्जुन बामनिया को उम्मीदवार बनाने का फैसला किया था, वहीं अरविंद डामोर से डमी कैंडिडेट के तौर पर नामांकन जमा करवाया था। बामनिया ने ऐनवक्त पर नामांकन ही दाखिल नहीं किया, इसलिए कांग्रेस ने डामोर को अपना चुनाव चिह्न दे दिया था। इस दौरान कांग्रेस और बीएपी के बीच गठबंधन को लेकर चर्चा चल रही थी, सोमवार सुबह इस पर फैसला होने के बाद कांग्रेस ने गठबंधन का ऐलान किया, लेकिन फिर डामोर ने नाम वापस नहीं लिया। डामोर के साथ ही पार्टी ने बागीदौरा विधानसभा सीट पर उप-चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी कपूर सिंह को भी 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया। उन्होंने भी नामांकन वापस नहीं लिया। तकनीकी तौर पर ये कांग्रेस के उम्मीदवार रहेंगे। बीएपी ने दावा किया कि बीजेपी उम्मीदवार महेंद्रजीत सिंह मालवीया कांग्रेस उम्मीदवारों के नामांकन वापस नहीं होने देने का दबाव बना रहे थे। बीएपी प्रवक्ता प्रोफेसर जितेंद्र मीणा ने सोशल मीडिया पर लिखा था- बागीदौरा उप चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार कल रात से गायब थे। बीजेपी उम्मीदवार महेंद्र जीत मालवीया की तरफ से नॉमिनेशन वापस नहीं लेने का दबाव था। अब देखते हैं कांग्रेस कैसे इस चुनौती से निपटेगी। कैसे गठबंधन धर्म निभाएगी। रविवार को कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने बीएपी के साथ दोनों सीटों (बांसवाड़ा और बागीदौरा) पर गठबंधन की घोषणा की थी। रंधावा ने एक्स पर पोस्ट लिखकर दोनों सीटों पर बीएपी को समर्थन देने की घोषणा की तो राजकुमार रोत (बीएपी) ने गठबंधन का स्वागत किया।

बांसवाड़ा

अरविंद डामोर
कांग्रेस से निष्कासित प्रत्याशी

राजकुमार रोत
बीएपी के प्रत्याशी

आलाकमान के स्तर पर लंबे समय से चल रहे थे प्रयास

कांग्रेस जिलाध्यक्ष रमेश चंद्र पंड्या ने कहा था कि गठबंधन को लेकर हम तक सूचना भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मिली। लंबे समय से गठबंधन के प्रयास चल रहे थे। इस बीच नामांकन भरने की भी बात आई और नामांकन भरा। अब फिर गठबंधन का आलाकमान ने फैसला लिया है तो निश्चित रूप से हमें यह मानना ही है। कांग्रेस के कमजोर होने के सवाल पर उन्होंने कहा- कांग्रेस कमजोर हुई है यह हम नहीं मानते। अगर हमारे बड़े नेता प्रजातंत्र के हित में या सिद्धांतों के लिए गठबंधन करते हैं तो सही है।

नामांकन के आखिरी दिन रोत ने मांगा था समर्थन

4 अप्रैल को नामांकन के आखिरी दिन बीएपी के राजकुमार रोत ने गठबंधन की पेशकश की थी। बीएपी और कांग्रेस में गठबंधन को लेकर लंबे समय से बातचीत चल रही थी। आदिवासी इलाके के कई कांग्रेस नेता इसका विरोध कर रहे थे। बीएपी कई और सीटें भी मांग रही थी। इसलिए आखिर तक पेच फंसा रहा। एक बार बातचीत लगभग टूट गई तो कांग्रेस ने उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर दी थी। इसके बाद रोत नरम पड़े और फिर गठबंधन की बात चली। आखिर में केवल बांसवाड़ा और बागीदौरा सीटों पर गठबंधन की बात बन गई थी। बीएपी के राजकुमार रोत ने 3 अप्रैल को नामांकन भरा था। इस दौरान जनसभा में भीड़ उमड़ी थी। 4 अप्रैल को उन्होंने कांग्रेस से गठबंधन की पेशकश की थी। बीएपी के राजकुमार रोत ने 3 अप्रैल को नामांकन भरा था। इस दौरान जनसभा में भीड़ उमड़ी थी। 4 अप्रैल को उन्होंने कांग्रेस से गठबंधन की पेशकश की थी।

मालवीया के कांग्रेस छोड़ बीजेपी में जाने से बदली सियासत

बांसवाड़ा सीट से बीजेपी उम्मीदवार बनाए गए महेंद्रजीत सिंह मालवीया की वजह से बागड़ की सियासत बदल गई। मालवीया कांग्रेस में रहते हुए बागीदौरा सीट से लगातार जीत रहे थे। इस बीच उन्होंने बीजेपी जॉइन कर ली। बीजेपी जॉइन करने के साथ इलाके के कई कांग्रेस नेता भी उनके साथ चले गए। इसी को लेकर अब इलाके के सियासी समीकरण बदल गए हैं।

कांग्रेस-बीएपी गठबंधन से बीजेपी को नुकसान

कांग्रेस और बीएपी के साथ मिलने से एक बड़ा वोट बैंक जुड़ जाएगा। बीजेपी विरोधी वोट एक जगह हो जाएगा। बीजेपी का हित इसमें था कि गठबंधन नहीं हो, लेकिन कांग्रेस ने गठबंधन की घोषणा कर दी।

ज्योति मिर्धा बोलीं

हनुमान बेनीवाल की एलएलबी की डिग्री फर्जी

डिग्री पर दिग्गजों की जंग

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

नागौर. नागौर से लोकसभा चुनाव लड़ रही भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार हनुमान बेनीवाल की जुबानी जंग डिग्री तक पहुंच गई है। मिर्धा ने सोमवार को खींवसर के ढिंगसरा गांव में बेनीवाल की LLB की डिग्री को फर्जी बता दिया। उन्होंने कहा- गलत हूं तो बता दो मुझे। वो (हनुमान) कह रहे थे वो (ज्योति मिर्धा) एमबीबीएस है तो मैं (बेनीवाल) भी एलएलबी हूं। एलएलबी भी किया है ? हन्नू भाई (हनुमान बेनीवाल) एलएलबी। ये फर्जी डिग्री वाले एलएलबी हैं। मिर्धा ने हनुमान बेनीवाल को खुली चुनौती भी दी। कहा- तो हन्नू भाई एलएलबी। अबकी बार आप मंच से सच बोलें। गुमराह न करें। जनता को बेवकूफ बनाने की जरूरत नहीं है और आप सही बोलते हो, तो आ जाओ। आमने-सामने बहस करते हैं। ज्योति मिर्धा तो यहीं खड़ी है। एक मंच पर आते हैं, बहस करते हैं। फैसला जनता कर देगी, कौन सच्चा है, कौन झूठा है।

कहा- मेरी डिग्री को लेकर झूठ बोला

डॉ. मिर्धा से जब इस बारे में बात की तो कहा- उन्होंने मेरी डिग्री के लिए झूठ बोला। इसके बाद मैंने मीडिया को बोला कि वे आ जाएं और मैं एसएमएस मेडिकल कॉलेज की डिग्री और सर्टिफिकेट दिखा दूंगी। अनपढ़-जाहिल नेतागिरी की जो परंपरा उन्होंने शुरू की है, उसका किसी न किसी को तो जवाब देना है, यह जवाब उन्हें यहां की जनता देगी।

फ्यूल की कमी से नहीं उड़ पाया राहुल का हेलिकॉप्टर

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

कांग्रेस के स्टार प्रचारक और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सोमवार को शहडोल में सभा के बाद वहीं फंस गए। बताया जा रहा है कि उनका हेलिकॉप्टर फ्यूल की कमी के कारण नहीं उड़ पाया। अब वे आज रात शहडोल में ही रुकेंगे। वे एक निजी होटल में ठहरे हैं। यहां से कल सुबह रवाना होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बताया कि हेलिकॉप्टर के लिए भोपाल से फ्यूल मंगवाया गया, लेकिन खराब मौसम के कारण फ्यूल समय पर नहीं पहुंच पाया है।

हेलिकॉप्टर में फ्यूल की स्थिति देखता एक कर्मचारी।

इससे पहले राहुल गांधी ने सोमवार को मंडला और शहडोल लोकसभा क्षेत्र में चुनावी सभा की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र के वादों को दोहराया। साथ ही कई मुद्दों पर मोदी सरकार को निशाने पर लिया।

सरकार बनी तो देश के किसानों का कर्जा माफ करेंगे

शहडोल के बाणगंगा मेला ग्राउंड में आयोजित सभा में राहुल गांधी ने कहा- हमारी सरकार बनने पर देश के किसानों का कर्जा माफ करेंगे। साथ ही किसानों को कानूनी न्यूनतम समर्थन मूल्य देंगे। उन्होंने महालक्ष्मी योजना के तहत हर गरीब परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख रुपए देने की भी बात कही।

कांग्रेस का एक ही मंत्र जहां भी सत्ता पाओ खूब मलाई खाओ : मोदी

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार 8 अप्रैल को महाराष्ट्र के चंद्रपुर में कहा, 2024 का लोकसभा चुनाव स्थिरता बनाम अस्थिरता के बीच का चुनाव है। एक ओर बीजेपी-NDA है, जिसका ध्येय है देश के लिए कड़े फैसले लो और बड़े फैसले लो। दूसरी ओर कांग्रेस और INDI गठबंधन है, जिसका मंत्र है कि जहां भी सत्ता पाओ खूब मलाई खाओ।

कांग्रेस पार्टी अपने कुकर्मों के कारण देश में जनता का समर्थन खो चुकी है। नतीजतन, वे अब फूट डालो और राज करो की रणनीति अपना रहे हैं। उन्होंने अपने घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की याद दिलाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया है। साथ ही उनका एक सांसद भारत के विभाजन की मांग कर रहा है।

इंडी अलायंस के लोग दक्षिण भारत को अलग करने की धमकी दे रहे हैं। इंडी अलायंस में शामिल DMK पार्टी सनातन को डेंगू-मलेरिया कह कर उसके खात्मे की बात कर रही है और नकली शिवसेना (उद्धव ठाकरे की पार्टी) वाले उन्हीं लोगों को महाराष्ट्र में रैली करवाते हैं।

मोदी के भाषण की 3 खास बातें...

आज देश का दलित, पिछड़ा, आदिवासी और गरीब मोदी सरकार को अपनी सरकार मानता है। मोदी किसी शाही परिवार में पैदा होकर प्रधानमंत्री नहीं बना। मोदी एक गरीब परिवार में जन्म लेकर, आपके बीच रहकर, यहां तक आया है। राजनीतिक पार्टियों का दायित्व होता है कि वो जनता की समस्याओं का समाधान करे, लेकिन कांग्रेस पार्टी खुद ही समस्याओं की जननी है। पिछले 10 वर्षों से कांग्रेस सत्ता से बाहर है। आपने NDA को पूर्ण बहुमत दिया। हमने देश की बड़ी-बड़ी समस्याओं का स्थायी इलाज किया है।

पीएम ने ये भी कहा कि इंडी गठबंधन ने हमेशा देश को अस्थिरता में झोंका। इंडी गठबंधन की जब तक केंद्र में सरकार रही, तब महाराष्ट्र की लगातार उपेक्षा होती रही। कड़वे करेले को घी में तलें या शक्कर में घोलें, वह फिर भी कड़वा का कड़वा ही रहता है। ये कहावत कांग्रेस पर सटीक लागू होती है। कांग्रेस कभी नहीं बदल सकती।

फैक्ट्री में केमिकल से भरे टैंकर में लगी आग

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

खेत में चल रही फैक्ट्री में केमिकल खाली करते समय टैंकर में आग लग गई। ड्राइवर टैंकर को दौड़ाता हुआ 300 मीटर दूर ले गया और टैंकर को केबिन से अलग कर दिया। ड्राइवर की सूझबूझ से तारपीन का तेल बनाने वाली फैक्ट्री में आगजनी की बड़ी घटना होने से बच ता गई, लेकिन आग की चपेट में आने से खेत में पड़ी गेहूं की फसल जल गई। घटना के बाद फैक्ट्री मालिक फरार हो गया। हादसा कोटकासिम थाना क्षेत्र (खैरथल-तिजारा) के शेरपुर गांव में सोमवार सुबह करीब 11 बजे हुआ। ड्राइवर अरविंद ने बताया कि वह गुजरात से केमिकल लेकर आया था और उसे फैक्ट्री में खाली करते समय आग लग गई। ड्राइवर अरविंद ने बताया कि वह गुजरात से केमिकल लेकर आया था और उसे फैक्ट्री में खाली करते समय आग लग गई।

गुजरात से लाया था केमिकल- टैंकर ड्राइवर अरविंद कुमार ने बताया- टैंकर में गुजरात से केमिकल(एमटीओ) लेकर आया था। सुबह करीब दस बजे वह कंपनी के अंदर टैंकर को खाली करवा रहा था, करीब 6 से 7 लोग टैंकर को खाली कर रहे थे। तभी अचानक केमिकल में आग लग गई। खाली कर रहे लोगों ने अरविंद को सूचना दी कि टैंकर में आग लग गई है तो अरविंद तुरंत ही टैंकर को लेकर कंपनी से बाहर निकल गया। करीब 300 मीटर तक टैंकर को चला कर खेतों में खाली जमीन पर ले गया। आग जब ट्रक तक पहुंची तो कुंडी निकाल कर टैंकर को ट्रक के केबिन से अलग कर दिया, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। देखते ही देखते टैंकर में भरा केमिकल जलने लगा। इस दौरान आग की लपटें और धुआं इतनी तेज उठा, की कई किलोमीटर तक दिखाई देने लगा। टैंकर में भरा केमिकल पूरा जल चुका है।

संपादकीयः जांच पर सियासत

स्वतंत्र लेखक

पश्चिम चंगाल में आपराधिक घटनाओं को अक्सर राजनीतिक रंग दे दिया जाता है। अब तो ऐसी घटनाओं की जांच करने वालों पर हमले की संस्कृति भी विकसित हो चली है। इसका ताजा उदाहरण राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआइए के दल पर स्थानीय लोगों का हमला है। दो महीने पहले इसी तरह संदेशखाली में प्रवर्तन निदेशालय के जांच दल पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया था। ताजा घटना मिदनापुर जिले के भूपतिनगर की है। दरअसल, एनआइए कर्मी करीब सवा साल पहले वहां हुए एक बम विस्फोट के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने गए थे। तभी स्थानीय लोगों ने उन पर हमला कर दिया। जांच दल की गाड़ियों के कांच टूट गए। इस घटना पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि जांच दल को रात में वहां जाने की क्या जरूरत थी। क्या उन्हें यह पता नहीं था कि रात के अंधेरे में गांव वाले अनजान लोगों को देख कर हमलावर ही सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि पता नहीं, एनआइए ने स्थानीय पुलिस से सहयोग लिया था या नहीं। जबकि एनआइए अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने स्थानीय पुलिस से सहयोग मांगा था, पर उसका रवैया सहयोगात्मक नहीं था। ममता बनर्जी ने पूछा है कि चुनाव के वक्त में इस तरह गिरफ्तारियां करने की आखिर वजह क्या है। बता दें कि एनआइए जिस व्यक्ति को गिरफ्तार करने गई थी, वह तृणमूल कांग्रेस का नेता है। अब ममता बनर्जी इस घटना को भाजपा के उकसावे पर की गई कार्रवाई बता रही है। यह पहली बार नहीं है जब ममता बनर्जी इस तरह अपने किसी नेता या कार्यकर्ता के पक्ष में सीधे मैदान में कूद पड़ी हैं। वे तो एक बार अपने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में सीधे थाने में पहुंच गई थीं। राज्य के पुलिस अधीक्षक की अनियमितताओं के खिलाफ जब सीबीआइ ने पूछताछ की कोशिश की थी, तब भी वे धरने पर बैठ गई थीं। चुनावी हिंसा के मामलों में भी वे अक्सर अपने कार्यकर्ताओं का बचाव और भाजपा कार्यकर्ताओं के उपद्रव पर बयानबाजी करती रही हैं। यह ठीक है कि भाजपा और तृणमूल के बीच सियासी रस्साकशी चलती रहती है और यह अक्सर केंद्र राज्य संबंधों में टकराव बन कर भी उभरती है, मगर क्या हर आपराधिक घटना को सियासी रंग दे देने से राज्य की कानून-व्यवस्था प्रभावित नहीं होती! आखिर कानून-व्यवस्था की जवाबदेही राज्य सरकार की है। यम विस्फोट के जिस मामले में एनआइए जांच कर रही है, उसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। यह राज्य सरकार की भी चिंता का विषय होना चाहिए कि जिस घर में विस्फोट हुआ, वहां इतना ताकतवर बम पहुंचा कैसे और उसका किस मकसद से इस्तेमाल किया जाना था। आपराधिक घटनाओं को सियासी रंग दे देने का नतीजा यह होता है कि राजनीतिक दलों के बीच हिंसा और प्रतिहिंसा का दौर लगातार चलता रहता है। इसे लेकर पश्चिम बंगाल पर लंबे समय से अंगुलियां उठती रही हैं। चुनाव के दौरान तो व्यापक हिंसा देखी जाती है। इस समय आमचुनाव का माहौल है और ममता बनर्जी अगर एनआइए जांच में सहयोग करने के बजाय इसके पीछे भाजपा का हाथ बता रही हैं, जो जाहिर है, उनके कार्यकर्ताओं की एक तरह से उकसावा ही मिलेगा। इस तरह हिंसा के बल पर कोई राजनीतिक दल अपना आधार बेशक कुछ मजबूत बना ले, पर राज्य की कानून-व्यवस्था कमजोर ही होगी।

मतदान की दर

लोकसभा और विधानसभा चुनावों में जिस तरह बढ़-चढ़ कर प्रचार-प्रसार किया जाता है, उससे यही लगता है कि ज्यादातर लोग मतदान करने निकलेंगे। मगर हर बार मतदान का आंकड़ा बहुत उत्साहजनक नहीं रहता है। कई इलाकों में तो कुल मतदाताओं का आधा भी मतदान केंद्रों तक नहीं पहुंचता है। ऐसे में डाले गए मतों के आधार पर ही किसी सीट पर उम्मीदवारों की जीत और हार का फैसला होता है। जबकि संभव है कि मतदान का फीसद ऊंचा हो तो उसमें नतीजों का स्वरूप कुछ और सामने आए। हालांकि निर्वाचन आयोग की तरफ से भी मतदाताओं को मतदान में बढ़-चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, लेकिन ये सारी कवायदें जमीन पर उतरती नहीं दिखती हैं। लोकतांत्रिक अपेक्षाओं और कसौटियों के लिहाज से यह एक चिंताजनक स्थिति है।

कम मतदान की समस्या से चिंतित निर्वाचन आयोग ने इस बार के आम चुनाव में देश के ग्यारह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की दो सौ छियासठ सीटों की पहचान की है, जहां पिछले आम चुनाव में मतदान का फीसद राष्ट्रीय औसत यानी 67.40 से भी कम रहा था। इन सीटों में दो सौ पंद्रह ग्रामीण और इक्यावन शहरी संसदीय क्षेत्र शामिल हैं। अब आयोग ने खासकर इन सीटों पर मतदान के फीसद में बढ़ोतरी की कोशिशें तेज कर दी हैं। यों देश भर में अगर सिर्फ दो तिहाई मतदाता अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग कर पाते हैं, तो यह कोई आदर्श स्थिति नहीं है, लेकिन अफसोस की बात यह है कि लोकसभा की लगभग आधी सीटों पर इससे भी कम मतदान होता है। समझा जा सकता है कि उन इलाकों में जीतने वाले उम्मीदवार कितने लोगों की नुमाइंदगी करते होंगे। लोकतंत्र में मतदान के अधिकारों के प्रति जागरूकता में कमी या अन्य वजहों से अगर इतनी बड़ी तादाद में मतदाता चुनाव प्रक्रिया से बाहर रह जाते हैं, तो यह सोचने की जरूरत है कि शासन के ढांचे में कुल कितनी आबादी की भागीदारी है। ऐसी स्थिति में मतदान का फीसद बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग की कोशिशें स्वागतयोग्य है, लेकिन इसका वास्तविक नतीजा भी जमीन पर भी दिखना चाहिए।

मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक

जमीन अधिग्रहण के 17 साल बाद भी मुआवजा नहीं मिलने पर फूटा गुस्सा

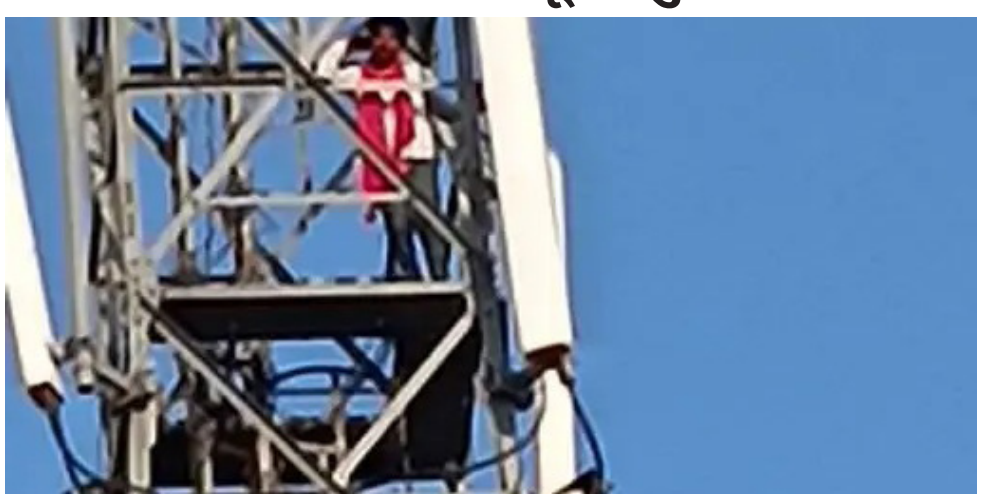

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

चित्तौड़गढ़. जमीन अधिग्रहण के 17 साल बाद भी मुआवजा नहीं मिलने पर एक युवक का गुस्सा फूट पड़ा। अपनी मांग को लेकर युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। इससे इलाके में सनसनी फैल गई। हिंदुस्तान जिंक से मुआवजे की मांग को लेकर एक युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक की जमीन अधिग्रहण की हुई थी। बदले में 17 साल बीत जाने के बावजूद भी मुआवजा नहीं मिला। कई बार प्रशासन से इसकी शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे परेशान होकर युवक ने यह कदम उठाया। मोबाइल टावर पर चढ़ने की सूचना पर प्रशासन, पुलिस और मेडिकल टीम मौके पर पहुंची। मामला भदेसर क्षेत्र के पंचदेवला का है।

अधिग्रहण के बाद भी नहीं दिया मुआवजा

चित्तौड़गढ़'उदयपुर हाईवे पर स्थित मरुधर ढाबे के पास एक मोबाइल टावर पर युवक नगजीराम (35) पुत्र शंकर लाल कुमावत चढ़ गया। ढाबे पर कार्यरत कर्मचारियों की नजर जब टावर पर पड़ी तो उन्होंने युवक को देखा। कर्मचारियों ने तुरंत इसकी जानकारी प्रशासन और पुलिस को दी। मौके पर एसडीएम विजयेश कुमार पांड्या, तहसीलदार, डिप्टी अनिल शर्मा, भदेसर थानाधिकारी रविन्द्र सेन, होड़ा पटवारी नारायण लाल पहुंचे। सभी ने युवक से बातचीत की तो युवक ने बताया कि साल 2007 में हिंदुस्तान जिंक द्वारा घोसुंडा बांध की ऊंचाई 422.5 से 424 एमएसएल तक बढ़ाने के लिए डूब क्षेत्र में आने वाले जमीनों को अधिकग्रहण किया गया था। कुल 277.83 हेक्टर निजी खातेदारों की जमीन को लिया गया था। तब से अब तक मुआवजा नहीं दिया। किसान नगजीराम के परिवार को जमीन के बदले 65 लाख रुपए दिए जाने की बात हुई थी। पिछले 17 सालों से जिंक की ओर से मुआवजा नहीं दिया गया, कई बार प्रशासन और हिंदुस्तान जिंक प्रबंधन से बातचीत की गई। लेकिन कोई भी कार्रवाई नहीं हुई।

पटवारी बोले- चेक हुआ था जारी लेकिन लिया नहीं

इससे अलग हटकर होड़ा पटवारी नारायण लाल का कुछ और ही कहना है। उन्होंने बताया कि नगजीराम की जमीन साल 2007 में ली गई थी। उस दौरान साल 2009 में 34 लाख 37 हजार 325 रुपए का एग्रीमेंट भी हुआ था। टीडीएस काटने के बाद 33 लाख 4 हजार 547 रुपयों का चेक जारी किया था। लेकिन परिवार ने यह चेक नहीं लिया। उनकी डिमांड ज्यादा थी। ऐसे में सहमति नहीं बनी थी। पिछले साल भी घोसुंडा बांध के पास ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन किया था। इसके बाद जिंक प्रबंधन के साथ मीटिंग हुई थी। मीटिंग में 4 शर्त रखी गई थी। उसमें से 2 शर्त तो पूरे किए गए, लेकिन मुआवजा अभी तक सिर्फ 25 प्रतिशत किसानों को ही दिया गया है।

व्यापार के नाम पर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

भीलवाड़ा के व्यापारियों को झांसा देकर मंगाया करोड़ों का कपड़ा , पुलिस ने दिल्ली से पकड़ा

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

भीलवाड़ा । प्रताप नगर थाना प्रभारी सुगन सिंह ने बताया कि एसपी राजन दुष्यंत के निर्देशन में आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शातिर इनामी बदमाशों की धर पकड़ की कार्रवाई को अंजाम देकर प्रतापनगर थाना पुलिस में गाजियाबाद निवासी हर्ष गर्ग पिता सेवाराम गर्ग (33) और शीतल मित्तल पिता स्व अनिल मित्तल (44) निवासी दिल्ली को गिरफ्तार किया है। दोनों पर पांच-पांच हजार का इनाम भी घोषित था ।

यह था मामला

एच आर फैब्रिक प्रोपराइटर संजय जैन , श्याम टैक्स प्रोपराइटर कमलेश गोखरू, बरखा इंडिया लिमिटेड प्रोपराइटर संदीप कोठारी , जीवन ज्योति टैक्सटाइल प्रोपराइटर पुरुषोत्तम मुंदडा , टेक्सटाइल प्रोपराइटर हिमांशु लड्ढा , इकोफ्ता फैब्रिक वॉल पर सिलसिले मिल्चर प्रोपराइटर नरेश गोधा , गीता टेक्सटाइल प्रोपराइटर सुरेश सोमानी , आशा एसोसिएट्स प्रोपराइटर महेंद्र तेली, रामकृष्ण ट्रेडर्स के सुशील शर्मा ने थाने में एक रिपोर्ट पेश की जिसमें बताया कि इन सभी व्यापारियों को विश्वास में लेकर अपनी फर्म श्री श्याम टेक्सटाइल, वंदना फैब्रिक के नाम से कुल 3 करोड़ 45 लाख 69 हजार का कपड़ा मंगवा लिया और भुगतान नहीं किया। सभी व्यापारियों के साथ षडयंत्र और धोखाधड़ी करते हुए माल को खुर्द-बुर्द कर दिया गया। शिकायत के बाद पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। प्रताप नगर थाना पुलिस ने इस मामले में एक टीम का गठन किया और टीम ने इनपुट के आधार पर दिल्ली में किराए का गोदाम लेकर वहां छुपा कर रखे माल का पता लगाया। इन कपड़ों का कुछ बिल से मैच करवाया गया। दोनों शातिर ठगों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए मोबाइल फोन को बंद कर दिया था। उनकी तलाश में पुलिस ने दिल्ली, गाजियाबाद , देहरादून , गुड़गांव , मेरठ , नोएडा आदि स्थानों पर दबिश दी । अब इस मामले में गहनता से जांच की जाएगी । पुलिस को इस मामले में पदम गर्ग की तलाश है ।

ऐसे देते थे वारदात को अंजाम

गिरोह का मास्टरमाइंड शीतल मित्तल किसी बेरोजगार को व्यापार करने का झांसा देकर उसके नाम की फर्म बनाते और बदले में बिजनेस ट्रांजैक्शन का 20% कमीशन देने का लालच देते। ऐसे कर इन्होंने भीलवाड़ा शहर के कई व्यापारियों से कपड़ा खरीदा और गायब हो गए। शीतल मित्तल बचने के लिए खुद डायरेक्ट डील नहीं करता और डमी कस्टमर से सौदा करवाता। शुरू में भरोसा जमाने के लिए पेमेंट टाइम पर कर देता और बाद में माल का रुपया नहीं देते । पुलिस टीम में प्रताप नगर थाना प्रभारी सुगन सिंह एएसआई राजू गिरी कांस्टेबल सुनील कुमार , रामनिवास , मगाराम रामपाल रहे।

जेजेसी का मातृ-पितृ वंदन समारोह सम्पन्न

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, 8 अप्रेल। सामाजिक संस्था जैन जागृति सेन्टर उदयपुर का मातृ-पितृ वंदन, फागोत्सव 2024 एवं रजत जयंती वर्ष का आगाज संस्था के संस्थापक राजकुमार फत्तावत, प्रशासनिक अधिकारी दीपक मेहता, जतिन गांधी, सुरेश नाहर व समाजसेवी नितुल चण्डालिया, रोशनलाल गदावत व हेमंत गोखरू के आतिथ्य में 100 रोड़ स्थित शुभकेसर गार्डन में सम्पन्न हुआ। आयोजन में 170 माता-पिताओं का वंदन-अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें पाद प्रक्षालन, तिलक, मेवाड़ी पगड़ी, स्मृति चिन्ह उपरणें के द्वारा सभी सदस्यों ने अपने-अपने माता-पिताओं का वंदन-अभिनंदन कर सम्पूर्ण माहौल को भावुक बना दिया। इस दौरान कई माता-पिता और पुत्र-पुत्रियों के आंखों में अश्रु धारा बहने लगी। संस्थापक राजकुमार फत्तावत ने अपने उद्बोधन में सभी माता-पिताओं को प्रणाम करते हुए अभिनंदन का अवसर प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया तथा कहां कि वर्तमान परिपेक्ष में माता-पिताओं का शुभाषिश ईश्वर तुल्य है। संस्था के रजत जयंती वर्ष में प्रवेश पर 25 वर्षों की यात्रा के बारे में जानकारी दी जिसमें मुख्यतः गुजरात भूंकम्प, उदयपुर जिले में हुई अकाल विभिषिका, अन्तराष्ट्रीय अधिवेशन, संपोषण योजना, मातृ-पितृ वंदन समारोह, धार्मिक यात्रा के आयोजन विशेष थे। उन्होने 25 वर्षों की यात्रा में कार्यकर्ताओं के समर्पण एवं श्रेष्ठिजनों के सहयोग के लिए कृतज्ञता ज्ञापित की।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

गणपति वन्दना के साथ-साथ माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी पर आधारित नृत्य तथा अभिभावकों को महिमा मण्डित करने वाला नृत्य आकर्षण का केन्द्र बना रहा। बच्चों से लेकर बड़ों तक एक से बड़ कर एक प्रस्तुतियों ने दर्शकदीर्घा में बैठे सदस्यों को झुमने पर मजबूर कर दिया।

35 दम्पति बने जेजेसी के नए सदस्य

कार्यक्रम के दौरान इस वर्ष 35 दम्पतियों ने जेजेसी परिवार में अपनी सदस्याता ग्रहण की। जिनका मेवाड़ी परम्पारा के अनुसार स्वागत किया गया।

3 ट्रैक्टर, 1 पिकअप और 1 ट्रक जब्त किया

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

राजसमंद. राजसमंद में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर जिले में अवैध गतिविधियों को रोकने व वांछित अपराधियों की धर पकड़ के लिए पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देशन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कांकरोली पुलिस ने अवैध पत्थरों व मिट्टी से भरे 3 ट्रैक्टर सहित गीली लकड़ी से भरे पिकअप वाहन व कोयले से भरा एक ट्रक जब्त किया।

कांकरोली पुलिस थाना इंचार्ज हनुंवत सिंह के अनुसार कांकरोली पुलिस थाने की अलग अलग टीमें गठित कर तीन स्थानों पर कार्यवाही की गई है। पुलिस की टीम ने मोही रेलवे फाटक पर ट्रेक्टर ट्रौली को रुकवा कर चेक किया तो ट्रेक्टर में मार्बल भरा हुआ था जिसकी रॉयल्टी नहाँ होने पर मार्बल पत्थर अवैध पाए गए। बागपुरा में भी पुलिस की टीम ने अवैध मिट्टी से भरा ट्रेक्टर पकड़ा जबकि वासोल रोड़ पर ट्रेक्टर की चेकिंग के दौरान अवैध पत्थर पाए गए। इसके बाद पुलिस की टीम ने मादड़ा रोड़ पर वाहनों की चेकिंग शुरू की इस दौरान एक ट्रक की चेकिंग के दौरान ट्रक में अवैध कोयले की बोरिया भरी हुई मिली बाद में पुलिस की टीम ने भील बस्ती भाणा में भी वाहनों की चेकिंग की जहां एक पिकअप लोडिंग वाहन में अवैध लकडियां भरी हुई थी। पुलिस ने अवैध पत्थर व लकड़ी के परिवहन करने पर माइनिंग विभाग व वन विभाग को सूचना दी एवं वाहनों को पुलिस थाना कांकरोली पर खड़े करवाए गए।

बांसवाड़ा का राकेश मईड़ा गिरफ्तार, 5 लाख परीक्षा में बिठाया था डमी परीक्षार्थी

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की वरिष्ठ शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 में मूल अभ्यर्थी की जगह डमी कैंडिडेट को बिठाने वाले दूसरे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को पुलिस ने बांसवाड़ा से गिरफ्तार किया है। आपको बता दें कि शनिवार को ही एक और आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया था व उसे कोर्ट ने छह दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा है। अजमेर के सिविल लाइन थाने के एएसआई प्रभु लाल ने मीडिया को बताया कि बांसवाड़ा निवासी आरोपी राकेश मइड़ा को गिरफ्तार किया गया है। उसको रविवार रात को अजमेर लाया गया है और डमी अभ्यर्थी के संबंध में पूछताछ की जा रही है। यह पता चला है कि मुख्य आरोपी अभ्यर्थी राकेश ने पांच लाख रुपए देकर डमी कैंडिडेट को परीक्षा दिलवाई थी। इससे पहले गिरफ्तार फलोदी के लोहावट निवासी कैलाश जांगू को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जहां से उसे छह दिन की रिमांड पर लिया गया। अब तक इस मामले में मुख्य आरोपी अभ्यर्थी गैनाराम और गोपाल की तलाश हो रही है। पुलिस आरोपी अभ्यर्थी गोपाल, राकेश, कैलाश और गैनाराम के स्थान पर परीक्षा देने वाले डमी अभ्यर्थियों की भी सरगर्मी से तलाश कर रही है। आपको यह भी ध्यान होगा कि आरपीएससी के सहायक अनुभाग अधिकारी प्रवीण मीणा ने 5 अप्रैल को सिविल लाइन थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था व आरोप लगाया था कि वरिष्ठ शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 की लिखित परीक्षा में चार अभ्यर्थियों की ओर से प्रवेश पत्र में धांधली की गई थी। चारों ने खुद की फोटो की जगह डमी कैंडिडेट्स की तस्वीरें चस्पा कर दी उनसे परीक्षा दिलवाई। परीक्षा परिणाम में पास हुए 426 अभ्यर्थियों को आयोग ने दस्तावेज की जांच के लिए बुलाया था. मगर 31 अभ्यर्थी नहीं आए। जब इनके दस्तावेजों की जांच की गई तो यह घोटाले सामने आ गए।

दो बेटों के शवों के पास बिलखता रहा पिता

ट्रक ने बाइक सवार परिवार को कुचला; हाईवे किनारे जूस पीने के लिए रुके थे

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

आसीन्द. बाइक पर बैठे पिता और उसके तीन बेटों को ट्रक ने कुचल दिया। हादसे में दो भाइयों की मौत हो गई। वहीं पिता और जूस लेने गया बेटा घायल हो गए। घायल पिता दोनों बेटों के शवों के पास बैठा-बैठा रोता रहा। हादसा भीलवाड़ा के आसींद में रविवार शाम 6.30 बजे नेशनल हाईवे 158डी पर हुआ। थानाधिकारी हंसपाल सिंह ने बताया कि बाजुंदा निवासी चांदमल शर्मा (45) अपने तीनों बेटों देवा (6), सागर (8) और अर्जुन (11) के साथ आसींद में खरीदारी करने आया था। शाम को लौटते समय वह पतवारी चौराहे पर गन्ने का जूस पीने के लिए रुक गया। उसका बड़ा बेटा जूस लेने के लिए उतर गया। पिता और दो बेटे बाइक पर बैठे थे।

इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आए ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि बाइक सवार दोनों भाई टक्कर के बाद ट्रक के टायरों के नीचे आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। आंखों के सामने दो बेटों की मौत के बाद चांदमल बेसुध हो गया। लोगों ने उसे संभाला। वह बेटों के शवों के पास बैठा-बैठा रोने लगा।

ट्रेनी SI के मामले में एसओजी पर उठे सवाल

मीडिया में छप रहे सवालों पर कोर्ट ने कहा- एसओजी के अधिकारी भी शायद जवाब पूरे न दे पाएं

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर. एसआई भर्ती परीक्षा 2021 में नकल कर पास करने वाले 11 ट्रेनी एसआई और एक कॉन्स्टेबल को आज फिर से जयपुर एसओजी कोर्ट में पेश किया है। एसओजी सभी आरोपियों की 12 दिन की रिमांड की मांग की है। सुनवाई के दौरान मीडिया में छप रहे सवालों पर कोर्ट ने कहा- एसओजी के अधिकारी के सामने भी अगर इस तरीके के सवाल रखे जाएंगे तो वह भी शायद जवाब पूरे नहीं दे पाए। क्योंकि वे भी 50% अंक पास करके ही भर्ती हुए हैं। दरअसल, इससे पहले 4 अप्रैल को सभी आरोपियों को चार दिन की रिमांड पर भेजा गया था। इस दौरान महिला और पुरुष एसआई ने कोर्ट के सामने एसओजी पर मारपीट का आरोप लगाया था। इस पर कोर्ट ने एसओजी के अधिकारियों को सभी आरोपियों का मेडिकल कराने के लिए कहा था। जो हर 24 घंटे में करवाना था।

ये है मामला

बता दें कि एसओजी की टीम 2 अप्रैल को सुबह करीब 9.30 राजस्थान पुलिस एकेडमी (RPA) पहुंची थी। यहां तीन घंटे तक आरोपियों से पूछताछ की थी। इसके बाद 15 ट्रेनी एसआई को डिटेन कर एसओजी मुख्यालय लाया गया था। इसमें 2 महिला और 13 पुरुष सब इंस्पेक्टर शामिल थे। यहां पूछताछ के बाद बुधवार को 11 ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके अलावा एसओजी ने जोधपुर कमिश्नरेट के सदर बाजार थाने में तैनात कॉन्स्टेबल अभिषेक बिश्नोई को भी गिरफ्तार किया था। अभिषेक बिश्नोई एसआई भर्ती परीक्षा 2021 में पास हुआ था, लेकिन उसने जॉइन नहीं किया था।

सीएस सुधांश पंत अचानक जेडीए ऑफिस पहुंचे

अधिकारियों-कर्मचारियों के कंप्यूटर में पेंडेंसी देखी, लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर . राजस्थान के मुख्य सचिव (CS) सुधांश पंत सोमवार सुबह 9:35 बजे जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के ऑफिस पहुंच गए। पंत ने जेडीए मुख्यालय की बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर से लेकर तीसरी मंजिल तक करीब 40 कमरों का निरीक्षण किया। इसकी सूचना मिलते ही फौरन जेडीए कमिश्नर (जेडीसी) मंजू राजपाल भी पंत के पास पहुंच गईं। इस दौरान पंत ने अधिकारियों के कंप्यूटर खोलकर पेंडेंसी की स्थिति जानी। उन्होंने कहा कि हालात संतोषजनक है। एक-दो अधिकारी-कर्मचारी जरूर लापरवाह हैं। जल्दी ही उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए जेडीसी को निर्देश दिए गए हैं। करीब 45 मिनट तक दौरा करने के बाद पंत ने सभी अधिकारियों को जेडीए के मंथन सभागार में बुलाया। यहां करीब 15 मिनट बैठक की।

जोधपुर की पर्ची पर बोले धीरेंद्र शास्त्री - यहां भी जय जय होगी

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

जोधपुर. शहर में सोमवार को रामनवमी के लिए आयोजित रामोत्सव कार्यक्रम और बाड़मेर में विश्व हिंदू परिषद की ओर से आयोजित आध्यात्मिक समाधान सत्र एवं आशीर्वचन समारोह आयोजित होगा. इसमें शिरकत करने के लिए आज सोमवार को बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री जोधपुर आए हैं. जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर समर्थकों ने उनका सत्कार किया. इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कई मुद्दों पर अपनी राय रखी. उन्होंने 'राजनीति और सनातन' मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि धर्म से राजनीति चलती है, राजनीति से धर्म नहीं चलता है. मैं सनातन धर्म के लिए जिया हूं और सनातन धर्म के लिए ही मरूंगा. यही मेरा गुनाह है. सनातन का मतलब विश्व का कल्याण होना है. कृष्ण जन्मभूमि पर ये बोले शास्त्री : कांग्रेस के नेताओं के भाजपा का दामन थामने के सवाल पर उन्होंने कहा - जो लोग आ रहे हैं वो निश्चित रूप से विश्व का कल्याण चाह रहे हैं. राम मंदिर के सवाल पर उन्होंने अपनी बात को मथुरा जन्मभूमि विवाद की तरफ घुमा दिया. उन्होंने कहा - " बहुत जल्दी कृष्ण लला हम आएंगे, माखन मिश्री खाएंगे. जल्द ठाकुर जी भी विराजमान होने वाले है."

संजीवनी के पैसों की लैंड क्रूजर में घूमते शेखावत:कांग्रेस प्रत्याशी उचियारड़ा बोले- गरीबों के रुपए खा गए, हवाई जहाज में घूमते

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

जोधपुर. लोकसभा चुनाव में जोधपुर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी करणसिंह उचियारड़ा ने भाजपा प्रत्याशी व केंद्रीय मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत पर तंज कसा। उन्होंने शेखावत पर संजीवनी के पैसों की लैंड क्रूजर में घूमने का आरोप लगाया है। उचियारड़ा का ये वीडियो सामने आने के बाद एक बार फिर से संजीवनी का मुद्दा खड़ा हो गया है। लोकसभा चुनाव को लेकर प्रत्याशी और उनके समर्थक प्रचार-प्रसार में जुटे हैं। प्रत्याशी प्रचार-प्रसार करने के साथ ही एक-दूसरे पर तंज करने में भी पीछे नहीं है। उचियारड़ा ने भी पोकरण में जनसभा के दौरान शेखावत पर जमकर प्रहार किया।

पोखरण जनसभा में शेखावत पर जुबानी वार

कांग्रेस प्रत्याशी करणसिंह उचियारड़ा जनसभा में बोले कि गजेंद्रसिंहजी ने हमें पानी नहीं पिलाया। उन्हें बड़ी सजा नहीं देनी, वोट की सजा दे दो। आप मुझ पर विश्वास जताओ। मुझे झूठ बोलना नहीं आता, मैं आपका बेटा बनकर काम करूंगा। अगर मैं कोई काम नहीं करूं और आपके सामने नहीं आऊं मुझे मत छोड़ना। उचियारड़ा ने कहा कि भूंगरा कांड में कितने आदमी मर गए, 50 आदमी गैस सिलेंडर से मर गए। मैं तो एमपी नहीं था। एमपी तो यह थे, वहां जाना चाहिए था। मैंने उनकी मदद के लिए 24 लाख रुपए दिए, मेरे पैसे उनके लिए पूरे नहीं थे, लेकिन इसके बाद सहायता में उनके पास 9 करोड़ रुपए आए। कुछ दिन बाद 9 करोड़ रुपए की घोषणा की।

लंबी तपस्या के बाद लैंड क्रूजर मेरे पास आई

कांग्रेस प्रत्याशी ने कहा कि मुझ पर लैंड क्रूजर में घूमने का आरोप लगाया जाता है। शेखावत साहब आप लैंड क्रूजर में घूम रहे हो वह कहा से आई है। आप तो संजीवनी के पैसों से लैंड क्रूजर लाए है। मैं तो कंपाउंडर था। कंपाउंडर से यहां पहुंचा हूं, मां भगवती की कृपा और 25 साल से मुझे पता नहीं है कि 9 बजे के बाद मैं कभी घर रहा हूं और 11 बजे से पहले कभी घर आया हूं, तब लैंड क्रूजर आई है साहब मेरी। आप तो घूम रहे हो हवाई जहाज में, गरीबों के रुपए खा गए उसमें से भी 80 प्रतिशत राजपूत ।

अंग प्रत्यारोपण में घूसखोरी

रिश्वत नहीं मिलने पर फाइलों को ठंडे बस्ते में डाल देते आरोपी, घूस मिलते ही सरपट दौड़ती फाइल

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर. अंग प्रत्यारोपण की एनओसी जारी करने के मामले में एसएमएस अस्पताल के सहायक प्रशासनिक अधिकारी सहित अन्य आरोपियों को रिश्वत की ऐसी आदत लग गई थी कि जब तक उसे रिश्वत नहीं मिल जाती, वह फाइल को आगे नहीं बढ़ाता था. इस मामले की पड़ताल कर रही एसीबी ने जब अंग प्रत्यारोपण की एनओसी के लिए आए आवेदनों की फाइल खंगाली तो चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है.

सूत्रों के मुताबिक एसीबी की अब तक की जांच में सामने आया है कि अंग प्रत्यारोपण की एनओसी के लिए आवेदन के साथ जब तक घूस नहीं मिलती, तब तक आरोपी गौरव सिंह, अनिल जोशी और विनोद फाइल को आगे नहीं बढ़ने देते थे. ऐसी फाइलों को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता. जब रिश्वत मिलती तो ऐसी फाइलें सरपट दौड़ पड़ती थी. ऐसी ही ठंडे बस्ते में डाली गई छह फाइल अब एसीबी के हाथ लगी है. जिन्हें सवाई मानसिंह अस्पताल प्रशासन को भिजवाया गया है. माना जा रहा है कि ऐसे कई और मामले सामने आ सकते हैं. फर्जी दस्तखत से जारी करता एनओसीः एसीबी की पड़ताल में सामने आया है कि अंग प्रत्यारोपण की एनओसी के बदले घूसखोरी के आरोप में पकड़े गए सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह रिश्वत नहीं मिलने पर फाइलों को दबा देता था. रिश्वत की राशि मिलने पर ही वह फाइल आगे बढ़ाता था. रिश्वत मिलने पर वह फर्जी दस्तखत के जरिए एनओसी जारी कर देता था.

पूछताछ में सामने आया यह नामः घूसखोरी के आरोप में पकड़े गए गौरव सिंह, अनिल जोशी और विनोद से एसीबी की पूछताछ में डोनर लाने वाले व्यक्ति का नाम मोहन नेपाली बताया है. जो नेपाल से डोनर लाता था. इसके साथ ही एसीबी ने इस मामले में गौरव की परिचित युवती से भी पूछताछ की है. ऐसे में एसीबी अब मोहन नेपाली की तलाश में जुटी है. उसकी गिरफ्तारी के बाद इस मामले के कई और राज सामने आ सकते हैं.इस दौरान भारत माता और शहीद गिर्राज प्रसाद अमर रहे के जयकारे लगाते रहे। इस दौरान शहीद गिरिराज प्रसाद के घर पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, भाजपा नेता महेंद्र यादव, DSP सत्यनारायण मीणा, हरसौरा थानाधिकारी प्रदीप यादव समेत कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि पहुंचे।

पुलिस ने एक कार से बरामद किए 2 करोड़ से अधिक कीमत के आभूषण

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

सिरोही. लोकसभा चुनाव के तहत जिले के आबूरोड रीको थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है. पुलिस ने मावल चौकी के पास नाकाबंदी के दौरान एक कार से 2 किलो सोना और 31 किलो से अधिक चांदी जब्त की है. पुलिस ने कार को भी बरामद कर लिया है.

रीको थानाधिकारी सीताराम ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देशन में चल रहे विशेष अभियान के तहत आबूरोड रीको थानाधिकारी सीताराम के नेतृत्व में मावल चौकी पर पुलिस ने रविवार देर रात को नाकाबंदी की हुई थी. इस दौरान एक गुजरात पासिंग कार को रुकवाकर उसकी तलाशी ली गई. कार में 2 किलो सोना और 31 किलो से अधिक चांदी बरामद हुई. बरामद आभूषण के बारे में कार सवार लोगों से पूछताछ की गई तो वो कोई संतुष्टि पूर्ण जवाब नहीं दे पाए. उन्होंने आभूषण से संबंधित आवश्यक दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए. इस पर टीम ने कार और आभूषणों को जब्त कर लिया. रीको थानाधिकारी सीताराम ने बताया कि बरामद आभूषण की कीमत करीब 2 करोड़ 15 लाख रुपए आंकी जा रही है. लोकसभा चुनाव को लेकर राजस्थान गुजरात सीमा पर स्थित मावल चौकी पर विशेष निगरानी बरती जा रही है. इसी के तहत ये कार्रवाई की गई है.

बुजुर्ग बोझ नहीं हमारी संपत्ति है : रामनाथ कोविन्द

तारा संस्थान के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य समारोह में शामिल हुए पूर्व राष्ट्रपति

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। बुजुर्ग बोझ नहीं, वे एसेट हैं। वे अनुभव का खजाना हैं।

वे हमारी सम्पत्ति है। यही नहीं बुजुर्गों का होना एक आश्वासन है। एक परिवार में बुजुर्ग की बहुत उपयोगिता होती है। हर काल और समय में उनकी उपयोगिता सार्थक होती है। हमें यह नहीं भूलना चाहिये कि बुजुर्गों में अनुभव का धन और आत्मविश्वास का बल होता है। उक्त उद्गार तारा संस्थान उदयपुर के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मां द्रोपदी देवी आनंद वृद्धाश्रम में सोमवार को आयोजित समारोह में देश के 14वें राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने व्यक्त किये। इससे पूर्व तारा संस्थान की संस्थापक अध्यक्ष कल्पना गोयल एवं संस्थापक सचिव दीपेश मित्तल ने पूर्व राष्ट्रपति का स्वागत किया। पूर्व राष्ट्रपति कोविन्द ने कहा कि हर परिवार की अपनी अलग कहानियां होती है। कोई कहानी छोटी होती है, कोई बड़ी होती है। उन्हें सुनने और सुनाने में ही हमारा जीवन गुजर जाता है। इसलिए हमें यह सोचना चाहिये कि हमने आज तक केवल लिया ही लिया है। हनमे समाज को दिया क्या है। जिस दिन आप में देने का भाव आ जाएगा, यकीन मानिये जितना आनन्द लेने में आ रहा था, उससे दुगुना आनन्द देने में आएगा। उन्होंने मेवाड़ की पवित्र पावन धरती की महानता को दर्शाते हुए कहा कि इस धरती पर महाराणा प्रताप, भामाशाह और मीरांबाई जैसी महान विभूतियां हुई हैं। उन्हें देश ही नहीं दुनिया में महानता प्रदान की जाती है। उदयपुर के लोग अपनी सभ्यता और संस्कृति के लिए कभी भी पीछे नहीं हटते हैं। इस धरा की कहानियां प्रेरणादायी हैं। महाराणा प्रताप, भामाशाह और मीरांबाई का स्थान भारत के इतिहास में सर्वोच्च है। उन्होंने मानव जीवन की श्रेष्ठतम परम्पराओं को अपने-अपने हिसाब से जीया और निभाया है। महाराणा प्रताप ने प्रजा के साथ ही अपने राष्ट्र और धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए घास की रोटी तक खाई लेकिन इस पर आंच नहीं आने दी। उन्होंने कहा कि आज तो हम ऐसा सोच भी नहीं सकते जैसा महाराणा प्रताप ने करके दिखाया था। भामाशाह ने अपने धन का सदुपयोग करते हुए सारा धन राष्ट्र और धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए दान कर दिया। वे चाहते थे कि कोई भी व्यक्ति भूखा ना रहे और कोई भी गरीबी की वजह से धर्म नहीं छोड़े। मीरांबाई की भक्ति परम्परा ही इतनी उच्च कोटि की थी कि उन्होंने श्रीकृष्ण पर ही विश्वास किया चाहे उन्हें जहर ही क्यों न पीना पड़ा। मेवाड़ की इसी परोपकार, राष्ट्रधर्म संस्कृति की रक्षा की भावना ने उन्हें हमेशा प्रभावित किया है। दीन-दुखियों की सेवा करना ही ईश्वर की सेवा करने के समान है।

चेंक बाउस के 10 मामलों में फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देशानुसार जिले मे वांछित फरार आरोपियो व स्थाई वारंटीयो की धरपकड के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत उमेश औझा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उदयपुर छगन राजपुरोहित (आर.पी.एस.) वृताधिकारी वृत्त नगर पूर्व, उदयपुर के सुपर विजन में भरत योगी थानाधिकारी पुलिस थाना प्रतापनगर के नेतृत्व मे पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए एनआई एक्ट प्रकरण कोर्ट न. 3,6,7 उदयपुर के 10 चेक बाउंस के मामले मे तीन साल से फरार स्थायी वारंटी चेनाराम कण्डेला पिता रतना राम कडेंला उम्र 47 साल निवासी पुरोहितो की मादडी थाना प्रतापनगर जिला उदयपुर को गिरफतार किया गया। आरोपी के एनआई एक्ट प्रकरण कोर्ट न. 3,6,7 उदयपुर मे पेश किया जाएगा। पुलिस टीम में भरत योगी थानाधिकारी, बाबुलाल हैड कानि, किरण कुमार कानि, लोकेश रायकवाल कानि साईबर सेल आदि शामिल हैं।

चलते लोडिंग टेम्पो से गिरी डेढ़ साल की बच्ची, मौत:मजदूरी करके गुजरात जा रहा था परिवार, गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में हुआ हादसा

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर. उदयपुर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में चलते हुए लोडिंग टेम्पो से डेढ़ साल की बच्ची के गिरने के बाद उसकी मौत हो गई। हादसा बलीचा बाइपास स्थित चरणकमल रेस्टोरेंट के सामने हुआ। जब पूरा परिवार लोडिंग टेम्पो में बैठकर अपने गुजरात में पंचमहल स्थित अपने घर जा रहा था। तभी चलते हुए लोडिंग टेम्पो से अचानक बच्ची का संतुलन बिगड़ा और वह नीचे रोड पर गिर गई। गिरने से बच्ची के सिर और हाथ पर गंभीर चोट लगी। मौके पर बहुत खून बह गया। परिजन तुरंत बच्ची को एमबी सरकारी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने शव को मोर्चरी में शिफ्ट कराया। गोवर्धन विलास थानाधिकारी प्रशिक्षु आईपीएस निश्चय प्रसाद ने बताया कि हादसे में डेढ़ साल की बच्ची लक्ष्मी पिता अजय कुमार वादी निवासी पंचमहल गुजरात की मौत हो गई। बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द किया। थाने के एएसआई गंगाराम ने बताया कि परिवार उदयपुर में मजदूरी का काम करता है और काम होने के खुद के ही लोडिंग टेम्पो से गुजरात जा रहा था। टेम्पो में बिस्तर सहित कुछ अन्य सामान भी रखे हुए थे। साथ ही माता-पिता, उनके 3 साल का बेटा और डेढ़ साल की बच्ची सवार थे। मां अपने 3 साल के बेटे को सुला रही थी। तभी डेढ़ साल की बच्ची का अचानक संतुलन बिगड़ा और वह टेम्पो से नीचे गिर गई। टेम्पो में पीछे की तरफ का गेट महज एक से डेढ़ फीट ही ऊंचा था। गेट ऊंचा होता तो बच्ची की जान बच सकती थी।

बाप प्रत्याशी ने वापस नहीं लिया नामांकन

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

नाम वापसी का समय बीतने के बाद उदयपुर में अब कुल आठ प्रत्याशी चुनाव मैदान में रह गए हैं, उदयपुर से तारांचद मीणा हाथ, कांग्रेस, मन्नालाल रावत कमल, भाजपा, दलपतराम गरासिया हाथी का निशान बसपा, प्रकाशचंद हॉकी स्टिक एंड बॉल बीएपी राजेंद्र कुमार मीणा घड़ा-इंडियन पीपुल्स ग्रीन पार्टी, कानजीलाल डामोर हल का निशान, निर्दलीय, प्रभुलाल मीणा, पलंग का निशान निर्दलीय और डॉ सविता कुमारी अहारी, सिलेण्डर का निशान निर्दलीय अब चुनाव मैदान में है।

घर से गायब बुजुर्ग 24 घंटे बाद लौटा

मुंह से झाग देखकर अस्पताल में भर्ती करवाया, इलाज के दौरान मौत

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

डूंगरपुर. गंधवा गांव में एक व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। घर से गायब व्यक्ति 24 घंटे बाद अचानक लौट आया। और खाट पर सो गया। मुंह से झाग आने पर अस्पताल लेकर पहुंचे। डूंगरपुर के चौरासी थाना क्षेत्र के गंधवा गांव में एक व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। घर से गायब व्यक्ति 24 घंटे बाद अचानक लौट आया। और खाट पर सो गया। मुंह से झाग आने पर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बेटे ने भी मौत के कारणों की जांच करने की मांग की है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। चौरासी थाने के हेड कॉन्स्टेबल ईश्वरलाल ने बताया कि राकेश मालिवाड निवासी गंधवा फला आकलिया ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसमें बताया कि 6 अप्रैल को उसके पिता काउड़ा मालिवाड अचानक घर से दुकान की ओर निकल गए, लेकिन रात तक वापस घर नहीं आए। परिवार के लोगों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं लगा।

दूसरे दिन अचानक पिता घर आए और खाट पर सो गए। इस दौरान मां कमला पानी लेकर गई, लेकिन पिता के मुंह से झाग आने लगे। इस पर परिजन डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए। डॉक्टर ने जांच के बाद भर्ती कर दिया। इलाज के दौरान सोमवार को उसके पिता की मौत हो गई। सूचना पर चौरासी थाना पुलिस अस्पताल पहुंची। शव को मॉर्चुरी में रखवाया। बेटे ने पिता की मौत के कारणों की जांच की मांग रखी। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

गैंगस्टर की पोस्ट लाइक करने के चक्कर में सलाखों के पीछे गए दो युवक

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। प्रतापनगर थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर गैंगस्टर को फॉलो करने वाले दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। गैंगस्टर को फॉलो करने वाले युवक लॉरेंस विश्नोई व अन्य गैंगस्टर को फॉलो करते थे। दोनों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फोटो-वीडियो अपलोड कर लोगों में खौफ फैलाने की कोशिश की। इस बारे में शिकायत मिलने पर प्रतापनगर थानाधिकारी भरत योगी ने दीपक (22) पुत्र केसु गमेती निवासी देबारी और महेन्द्र(21) पुत्र नवलराम गमेती निवासी नला फला को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि अभय कमाउंड से सूचना मिली थी कि दो आरोपियों की ओर से गैंगस्टर को फॉलो कर सोशल मीडिया के जरिए दहशत फैलाने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में आरोपियों की लोकेशन ट्रेस कर पुलिस थाना क्षेत्र के देबारी टी-प्वाइंट पहुंची,जहां से दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के मोबाइल में

सोशल मीडिया अकाउंट को डी-एक्टिवेट किया गया। थानाधिकारी का कहना है कि उदयपुर पुलिस की ओर से सभी युवा वर्ग से अपील की जाती है कि वे अपने मोबाइल पर सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी अपराधी गैंगस्टर और असामाजिक तत्वों को फॉलो नहीं करें। न ही उनकी पोस्ट पर लाइक और कमेंट करें। सभी सोशल मीडिया अकाउंट्स को साइबर सेल पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा निगरानी और सर्विलान्स किया जा रहा है। अगर कोई व्यक्ति इस तरह की गतिविधि में शामिल पाया जाता है तो कानूनी कार्रवाई जाएगी।

24 न्यूज अपडेट
देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए
हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल
ताजा खबरें देखने के लिए
हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें
YouTube
24 NEWS UPDATE
हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें
लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।